यह शोधार्थी की मानसिकता ही जो उसे उच्चशोधक के रूप में प्रतिष्ठित कर देती है। यह आदर्शवादिता नहीं सच्चे शोधार्थी की अनुभूत स्थिति है। उसके लिए सबसे आवश्यक है प्रबुद्ध तर्क शक्ति होना है। शोधार्थी का मस्तिष्क स्थिर न होकर गतिशील और लचीला रहना चाहिये। जितनी सामग्री उसके अध्ययन का विषय बनती है वह शोध कार्य की विविध स्थितियों में आवश्यकता नुसार स्मृति पटल पर आती रहनी चाहिये।

बौद्धिक रूप से शोधार्थी को ईमानदार होने की सबसे अधिक आवश्यकता है।

शोध के लिए आवश्यक सुविधायें :

1. **आर्थिक निश्चितता :** यह शोधार्थी के आधिआवश्यक है। इस सुविधा के अभाव में वह पूर्ण आत्मविश्वास के साथ अपने कार्य में प्रवृत्त नहीं हो सकता। यदि आर्थिक सुविधाएं जुटाने के लिए उसे इधर-उधर जाना पड़े तो उसका कार्य बाधित हो जायेगा।

2. **पुस्तकालय की सुविधा :** आर्थिक रूप से समृद्ध पुस्तकालय भी शोध कार्य के लिए सबसे आवश्यक तत्व है। यदि शोधार्थी के लिए आवश्यक पुस्तकें पुस्तकालय में नहीं हो तो उनको तुरन्त मंगवाने की व्यवस्था करनी चाहिये।

3. **प्रयोगशाला :** साहित्यिक शोध के लिए प्रयोगशाला की आवश्यकता नहीं होती किन्तु आज जिस प्रकार प्रयोगात्मक अध्ययन में विश्वास करते जा रहे हैं उसको देखते हुए यह भी असम्भव नहीं है कि भविष्य में साहित्य की रचना के अध्ययन में पाठक पर पड़े हुए प्रभावों के अध्ययन में प्रयोगशाला की आवश्यकता का अनुभव किया जाए।

Scanned with CamScanner

यात्रा: शोध कार्य के बीच यात्रा की आवश्यकता भी पड़ सकती है। कभी अन्य विश्वविद्यालयों के अधिकारी विद्वानों से परामर्श करने और सामग्री के संग्रह के लिए शोधार्थी को लिए यात्रा आवश्यक हो जाती है।

यन्त्र: शोधीय कार्य के लिए टेपरिकार्डर, कैमरा, आदि आवश्यक यन्त्र हैं। रिकार्ड की हुई सामग्री का वह पीछे परीक्षण उन्हीं के आधार पर कर सकता है। इसके साथ फोल्डर्स, कोटो आदि भी आवश्यक उपकरण हैं।

शोधार्थी एक विचारक: शोध के सभी सोपान में शोधार्थी के विचारों का प्रवाह चलता रहता है जो कुछ सामग्री के रूप में उसे प्राप्त होती है उसके सम्बन्ध में एक विचारक प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। केवल सामग्री संकलन या तथ्यान्वेषण ही उसके लिए पर्याप्त नहीं है। शोधार्थी को विचार करना ही उस शक्ति शोधपक्ष सार्थकता प्रदान करती है। **शोधार्थी को विचार प्रक्रिया एकाग्र और वस्तुपरक रखनी चाहिये।**

शोधार्थी एक जासूस: एक कुशल जासूस की भांति ही शोधार्थी को यह भी ज्ञात रहना चाहिये कि शोध संकेत कहाँ मिल सकते हैं। शोधार्थी को शोध सामग्री को एकत्र करने उसका वर्गीकरण और विश्लेषण करने की विधियों का ज्ञान और प्रशिक्षित होना चाहिये। सामग्री के प्रत्येक संभव स्रोत के साथ उसका सम्पर्क होना चाहिये। सामान्यतः उपलब्ध ज्ञान से लेकर पुस्तकालय में होने वाली उसी पुस्तकालय की पुस्तक सूची सम्बन्धी प्रतियोगिता का ज्ञान होना चाहिये। जिन्हें स्थानों की खोज समय लगने वाली हो सकती।